

वायुसेना दिवस

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने वायु योद्धाओं को दी शुभकामनाएं



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। देश आज वायुसेना दिवस मना रहा है। 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाए जाने वाले इस दिवस पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय वायुसेना के जवानों, अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने वायु योद्धाओं के साहस, अनुशासन और समर्पण को नमन करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना देश की सुरक्षा और

संप्रभुता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने वायुसेना के उन वीर जवानों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वायुसेना दिवस भारतीय वायुसेना के गौरवशाली इतिहास, शौर्य और बदलती तकनीकी क्षमता को याद करने का अवसर भी है। देश की हवाई सीमाओं की सुरक्षा के साथ आपदा और राहत अभियानों में भी वायुसेना की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

8 अक्टूबर 1932 को भारतीय वायुसेना की स्थापना हुई थी। आज के दिन देशभर में वायु योद्धाओं के साहस और राष्ट्रसेवा को सलाम किया जा रहा है।

जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर

आडवाणी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। सार्वजनिक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने वयोवृद्ध नेता से आशीर्वाद लिया। इस मुलाकात को मोदी की राजनीतिक यात्रा में आडवाणी के योगदान और मार्गदर्शन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नरेंद्र मोदी ने लंबे सार्वजनिक जीवन के दौरान संगठन से लेकर सरकार तक कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। भाजपा में आडवाणी उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने पार्टी के विस्तार और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोदी के साथ उनका राजनीतिक संबंध भी लंबे समय से रहा है। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की 25 वर्ष की



यात्रा को लेकर भाजपा की ओर से देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान सरकार और पार्टी की ओर से मोदी के कार्यकाल और राजनीतिक यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को सामने रखा जा रहा है। आडवाणी से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री का उनका आशीर्वाद लेना राजनीतिक और व्यक्तिगत दोनों दृष्टियों से चर्चा में रहा। भाजपा नेतृत्व के लिए वरिष्ठ नेताओं का सम्मान और उनसे मार्गदर्शन लेने की परंपरा लगातार महत्वपूर्ण रही है।

राहुल-प्रियंका का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन जारी

राहुल फिर हिरासत में

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के कई नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी को हिरासत में लिया और करीब दो घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तब तक अपना विरोध जारी रखेगी, जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं देते। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची से



जुड़े सवालों का जवाब मिलना जरूरी है। दूसरी ओर भाजपा और सरकार की ओर से कांग्रेस के आंदोलन की आलोचना की जा रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और उसके खिलाफ राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास उचित नहीं है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच कई बार तनाव की स्थिति बनी।

प्रियंका गांधी समेत विपक्षी सांसद भी प्रदर्शन में शामिल रहे। कांग्रेस ने पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए हैं। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब राजनीतिक टकराव का रूप ले चुका है। आने वाले दिनों में कांग्रेस के प्रदर्शन और भाजपा की प्रतिक्रिया के बीच यह मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति में और चर्चा में रहने की संभावना है।

आगरा से दिल्ली तक बढ़ी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा



नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली स्थित उनके आवास, निर्वाचन सदन और व्यक्तिगत सुरक्षा घरे में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के नए आकलन के बाद यह कदम उठाया गया है।

आगरा स्थित उनके पैतृक आवास की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। 28 सितंबर को वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था और घर के गेट तथा दीवार पर नारे लिखे गए थे। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई की थी।

दिल्ली में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। विपक्षी दल विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

हाल के प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। निर्वाचन सदन के भीतर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ाई गई है, जबकि परिसर के बाहर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए गए हैं। आगरा से दिल्ली तक सुरक्षा बढ़ाना बताता है कि विरोध अब मुख्य चुनाव आयुक्त के आवास और कार्यालय तक पहुंच चुका है।

सेवा ज्योति कलश यात्रा में उमड़ा उत्साह, विकसित भारत का दिया संदेश

बस स्टैंड से बजरंग चौक होते हुए नगर पंचायत कार्यालय तक निकली यात्रा, वार्ड 7 की पार्षद संगीता दीक्षित रहीं मौजूद

छुरा। नगर पंचायत छुरा के तत्वावधान में बुधवार को सेवा ज्योति कलश यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत बस स्टैंड से सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई, जो बजरंग चौक होते हुए नगर पंचायत कार्यालय परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान सेवा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नगरवासियों, नगर पंचायत के कर्मचारियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों ने सहभागिता की। यात्रा में शामिल लोगों ने सेवा भावना को समाज की मजबूती का आधार बताते हुए विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। नगर पंचायत कार्यालय पहुंचने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

पार्षद श्रीमती दीक्षित ने कहा

नागरिकों की सहभागिता जरूरी

वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संगीता दीक्षित ने



कहा कि सेवा केवल किसी व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से विकास की मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विकसित भारत का संकल्प तभी साकार



होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी जिम्मेदारी समझते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर स्वच्छता, जनसेवा, सामाजिक सहभागिता और विकास कार्यों में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। इस तरह के आयोजनों से लोगों में सामाजिक

दायित्व और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों की रही सीमित उपस्थिति

कार्यक्रम नगर पंचायत के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, लेकिन नगर पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधियों की कार्यक्रम में उपस्थिति नजर नहीं आई। केवल वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद संगीता दीक्षित ही कार्यक्रम में मौजूद रहीं। अन्य जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। हालांकि, यह भी संभव है कि किसी विशेष कारणवश वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए हों। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नगर पंचायत सीएमओ अशोक कुमार सलामे, अजय दीक्षित, अक्षत कुमार तिवारी, मनोज दुबे, रामाधार यादव, वीरेंद्र ठाकुर सहित नगर पंचायत के कर्मचारी, स्वच्छता कर्मचारी एवं नगरवासी शामिल हुए।

मध्य प्रदेश में टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए 'TMPCL' का आगाज, विजेता को मिलेंगे 20 लाख रुपये

अभि गोस्वामी

शिवपुरी / मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को एक बड़ा राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से टेनिस मध्य प्रदेश क्रिकेट लीग (TMPCL) का आयोजन किया जा रहा है। लीग के आयोजक अरुण गिरी गोस्वामी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए इस टूर्नामेंट की शुरुआत की गई है।

खबर के मुख्य बिंदु: 10 टीमों और 180 खिलाड़ी: इस लीग में कुल 10 टीमों भाग ले रही हैं, जिसमें प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें पूरे मध्य प्रदेश के कोने-कोने से आए हुए युवा और उभरते खिलाड़ी हिस्सा



ले रहे हैं। भारी-भरकम पुरस्कार राशि: टूर्नामेंट की विजेता टीम को

20 लाख रुपये और उपविजेता (Runner-up) टीम को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। मैच और प्रसारण: ऑक्शन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 27 तारीख से सभी मुकाबले पोहरी (शिवपुरी) में खेले जाएंगे, जिनका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। दिग्गज खिलाड़ियों का जमावड़ा: ISPL (इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग) और अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की टेनिस बॉल लीग में खेल चुके मध्य प्रदेश के बड़े खिलाड़ी भी इस लीग में अपनी चमक बिखेरेंगे। आयोजकों का कहना है कि मुंबई और यूपी की तर्ज पर मध्य प्रदेश के टेनिस बॉल क्रिकेटर्स को भी अब एक बड़ा और बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर प्राप्त होगा।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर शहर में निकली पुलिस की हेलमेट रैली एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील

शिवपुरी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शिवपुरी पुलिस ने गुरुवार को शहर में हेलमेट जागरूकता रैली निकाली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में पुलिसकर्मियों ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट के महत्व का संदेश दिया। रैली कोर्ट रोड, माधव चौक, ग्वालियर बायपास, झांसी तिराहा और गुरुद्वारा होते हुए राजेश्वरी रोड से वापस पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाया कि हेलमेट महज चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि सड़क हादसे की स्थिति में जीवन बचाने वाला सुरक्षा

कवच है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के साथ ही कार चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की गई।

यह अभियान पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में चलाए जा रहे हेलमेट एवं सीट बेल्ट जागरूकता अभियान का हिस्सा है। अभियान के दौरान शिवपुरी पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। अब तक बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 950 चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है, जबकि 500 वाहन चालकों पर सीट बेल्ट नहीं लगाने के मामले में कार्रवाई हुई है। रैली के माध्यम से पुलिस ने आमजन को संदेश दिया कि यातायात नियमों का पालन किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

वनमंडल गरियाबंद में RTI की जानकारी पर ताला !WPC/WPS का हवाला, सूचना रोकने के तरीके पर उठे सवाल, आखिर किस आदेश के आधार पर रोकी जा रही जानकारी?

छुरा/गरियाबंद सरकारी कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जब सरकारी विभागों से जानकारी मांगी जाती है, तो उसका जवाब मिलना आवेदक का वैधानिक अधिकार है।

लेकिन वनमंडल गरियाबंद में आरटीआई आवेदनों के निराकरण को लेकर उठ रहे सवालों ने एक नई बहस छेड़ दी है। आरोप है कि वन विभाग के कुछ मामलों में उच्च न्यायालय से संबंधित WPC/WPS प्रकरण क्रमांकों का हवाला देकर मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने से इनकार किया जा रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित न्यायालयीन आदेश वास्तव में सूचना

देने पर रोक लगाता है, या फिर केवल प्रकरण क्रमांक का उल्लेख ही जानकारी रोकने का आधार बनाया जा रहा है? मामला वन मार्ग निर्माण कार्य से संबंधित मजदूरी भुगतान सूची की जानकारी मांगने से जुड़ा है। आवेदक प्रकाश कुमार यादव द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर आरोप है कि वनमंडलाधिकारी गरियाबंद मयंक पाण्डेय की ओर से WPC क्रमांक 3707/2023 का हवाला देते हुए जानकारी उपलब्ध कराना संभव नहीं बताया गया। इस घटनाक्रम के बाद सूचना रोकने के आधार और न्यायालयीन प्रकरण की वास्तविक प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

प्रकरण क्रमांक बताया, लेकिन आदेश में क्या

है? - आरटीआई के तहत जानकारी देने से इनकार करने के मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि संबंधित न्यायालय ने वास्तव में क्या आदेश दिया है। यदि किसी न्यायालय ने किसी विशेष दस्तावेज अथवा सूचना के प्रकटीकरण पर स्पष्ट रोक लगाई है, तो उसका पालन करना आवश्यक है। लेकिन यदि आदेश का दायरा किसी अन्य विषय तक सीमित है, तो उसे प्रत्येक आरटीआई आवेदन पर स्वतः लागू मान लेना भी उचित नहीं होगा। आवेदक पक्ष का कहना है कि विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित WPC/WPS प्रकरण में किस प्रकार का आदेश पारित हुआ है, आदेश की कौन-सी शर्त मांगी गई सूचना पर लागू होती है और सूचना उपलब्ध नहीं कराने के पीछे विधिक आधार

क्या है। केवल प्रकरण क्रमांक का उल्लेख कर दिए जाने से यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि संबंधित सभी अभिलेखों का खुलासा प्रतिबंधित है।

चार वन परिक्षेत्रों में भी उठ रहे सवाल

वनमंडल गरियाबंद के अंतर्गत गरियाबंद, नवागढ़, मैनपुर और इंदगांव वन परिक्षेत्रों से संबंधित आरटीआई आवेदनों के निराकरण को लेकर भी इसी तरह की शिकायतें सामने आने का दावा किया जा रहा है। आवेदकों का आरोप है कि जानकारी मांगने पर उन्हें न्यायालयीन मामलों अथवा कानूनी प्रावधानों का हवाला दिया जाता है, जिससे सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया लंबी हो जाती है।

किताबें लेने ससुराल पहुंची पत्नी से मारपीट, पति पर दूसरी महिला के साथ मिलकर पीटने का आरोप

चार माह से मायके में रह रही थी 26 वर्षीय महिला, पढ़ाई की किताबें लेने पहुंची थी पति के घर

राजेश धाकड़

इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब चार माह से पति से अलग रह रही 26 वर्षीय महिला अपनी पढ़ाई की किताबें लेने ससुराल पहुंची। महिला का आरोप है कि पति आकाश वर्मा ने एक अन्य महिला के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। घटना में महिला को चोटें आने की बात सामने आई है। मारपीट के बाद उसे घर से बाहर निकालने का भी आरोप है। पीड़िता के मुताबिक, वह पिछले करीब चार माह से पति से अलग अपने माता-पिता के साथ रह रही है। उसकी पढ़ाई से संबंधित जरूरी किताबें पति के घर पर रखी थीं। 28 सितंबर को वह किताबें लेने ससुराल पहुंची थी। महिला का आरोप है कि उसके वहां पहुंचते ही पति ने विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि उसके साथ मारपीट शुरू कर दी गई।

दूसरी महिला पर भी मारपीट में शामिल होने का आरोप- पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि



आरोपी



फरियादी

जिस समय उसके साथ मारपीट की जा रही थी, उस दौरान एक अन्य महिला भी पति के साथ मौजूद थी। महिला के अनुसार पति और उक्त महिला ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके शरीर पर चोटें आईं। इसके बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। शिकायत लेकर थाने पहुंची पीड़िता- घटना के बाद पीड़िता सीधे तिलक नगर थाने पहुंची और पति आकाश वर्मा सहित अन्य महिला के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि वह केवल अपनी पढ़ाई की किताबें लेने के लिए पति के घर गई थी, लेकिन वहां उसके साथ मारपीट कर दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पीड़िता के बयान, चोटों से संबंधित दस्तावेज और घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी की बार-बार गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का काला दिवस

शासकीय माध्यमिक विद्यालय मानकपुर को मिला गोल्ड अवार्ड स्कूल सर्टिफिकेशन कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में किया गया सम्मान

अभि गोस्वामी

धर्मनंद गुप्ता

काले कपड़ों में सड़क पर उतरे कार्यकर्ता, मुख्य चुनाव आयुक्त के पुतले का किया प्रतीकात्मक तर्पण:-

विदिशा :- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बार-बार गिरफ्तार किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस के द्वारा प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया। माधवगंज चौराहे पर एकत्रित कांग्रेस कार्यकर्ता काले कपड़े पहनकर नारेबाजी करते हुए मुख्य मार्ग से तिलक चौक तक प्रदर्शन करते हुए पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त का प्रतीकात्मक पुतला ठेले पर रखकर उसमें परात में पानी, काले-सफेद तिल, दूध और सफेद फूल रखे गए तथा कुशा से प्रतीकात्मक तर्पण करते कांग्रेसजन चल रहे थे। यह दृश्य राहगीरों और आसपास के लोगों के बीच जिज्ञासा का केंद्र बना रहा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कहा कि राहुल गांधी जनता की आवाज उठाते हुए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, जिससे सरकार भयभीत है। उन्होंने



आरोप लगाया कि राहुल गांधी को बार-बार गिरफ्तार कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा ने* कहा कि राहुल गांधी अब रुकने वाले नहीं हैं, जब तक नरेंद्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रवि साहू ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाए तो उन्हें पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुशील शर्मा ने बताया कि प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा, कमल सिलाकारी, रणधीर सिंह ठाकुर, बसंत जैन, अनुमा आचार्य, महेंद्र वर्मा, सुभाष बोहत, लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, महेंद्र यादव, पंकज जैन, सुशील शर्मा, गोविंद भार्गव, अर्पित उपाध्याय, नीतू सिंह राजपूत, प्रियंका किरार, प्रभु दयाल यादव, रूप सिंह किरार, जिनेश जैन टिंगी, प्रवीण वसीय, राजेश दुबे, सुजीत देवालिया, विनीत दांगी, बाबू लाल वर्मा, आशीष माहेश्वरी, मो.असरफ खान, सुनील दांगीअंकुर गुप्ता, राजकुमार पांसी, संजय यादव, सुंदर सिंह दांगी, प्रसंग जैन, बंटी सक्सेना, अन्नू जैन, नवनीत कुशवाहा, जितेंद्र तिवारी, विशाल सक्सेना, मानव ताम्रकर, जावेद मंसूरी, पर्वत गौण, कालू राम मेना, इमरान जावेद, असलम पटेल, अंसार खान, शिवेंद्र प्रताप शशांक जैन, संगीता चंद्रावल, शिखा शर्मा, संतोष चिड़ार, महेश पाल, श्याम रघुवंशी, राहुल रघुवंशी, बाबू पाल, जवाहर कुशवाहा, जीवन सिंह सेन, रीना राजपूत, गोलू शर्मा, कपिल गोस्वामी, नवीन शर्मा, वीरू यादव।

शिवपुरी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित स्कूल सर्टिफिकेशन कार्यक्रम सत्र 2025-26 के प्रथम चरण में शासकीय माध्यमिक विद्यालय मानकपुर ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए गोल्ड श्रेणी का अवार्ड प्राप्त किया है। विद्यालय की इस उपलब्धि से शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के गोल्ड श्रेणी के लिए चयनित होने के अवसर पर जिला स्तरीय डीपीएमयू समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय मानकपुर के शाला प्रभारी केशव प्रसाद गोलिया को गोल्ड श्रेणी का प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आकाश यादव, डीपीसी दफेदार सिकरवार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी डॉ. कौशल गौतम तथा बीआरसीसी अतर सिंह राजोरिया सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यालय स्टाफ की मेहनत बनी सफलता की वजह

विद्यालय को गोल्ड अवार्ड मिलने के पीछे शाला प्रभारी के साथ ही विद्यालय के समस्त स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय के शिक्षक वीरेंद्र लकड़ा, रामलखन राठौर, सत्येंद्र भार्गव एवं

दीपक राठौर ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयास और टीमवर्क का परिणाम बताते हुए कहा कि स्कूल सर्टिफिकेशन कार्यक्रम के निर्धारित मापदंडों को पूरा करने के लिए सभी शिक्षकों ने निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ कार्य किया। विद्यालय की इस उपलब्धि ने पूरे स्टाफ का उत्साह बढ़ाया है।

आगे भी बेहतर प्रदर्शन का संकल्प- गोल्ड अवार्ड प्राप्त होने के बाद विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। शाला प्रभारी केशव प्रसाद गोलिया एवं समस्त स्टाफ ने भविष्य में भी विद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में और आगे ले जाने का संकल्प लिया। सम्मान समारोह के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने शाला प्रभारी एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए इसी तरह निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। जिला स्तरीय डीपीएमयू समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। विद्यालय को मिले गोल्ड अवार्ड को मानकपुर विद्यालय की मेहनत, समर्पण और बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

नवरात्रि, सहजयोग ध्यान द्वारा सूक्ष्म चक्रों पर शक्तियों की जागृति का स्वर्णिम अवसर

नवरात्रि भारतीय संस्कृति में आदिशक्ति की आराधना का पावन पर्व है। सहज योग में नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। सहज योग की साधना में साधक नियमित ध्यान के साथ देवी के विभिन्न स्वरूपों का ध्यान करते हुए अपने सूक्ष्म शरीर के चक्रों पर मन को एकाग्र करते हैं। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रणीत सहज योग में चक्रों के ध्यान और आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक शक्तियों और गुणों को जागृत करने का प्रयास करता है। प्रथम दिन माँ शैलपुत्री की आराधना के साथ मूलाधार चक्र पर ध्यान किया जाता है। यह चक्र अबोधिता, विवेक और संतुलन का आधार माना जाता है। दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी के स्वरूप के साथ स्वाधिष्ठान चक्र पर ध्यान किया जाता है, जो शुद्ध विद्या, रचनात्मकता और कलात्मकता से जुड़ा है। तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की उपासना नाभि या

मणिपुर चक्र पर ध्यान के साथ की जाती है। यह चक्र संतोष, शांति और धर्मपरायणता के गुणों को विकसित करने में सहायक माना जाता है। चौथे दिन माँ कूष्मांडा के स्वरूप की आराधना करते हुए अनाहत या हृदय चक्र पर ध्यान किया जाता है, जिससे निर्भयता और आत्मविश्वास का विकास होता है। पांचवें दिन माँ स्कंदमाता की उपासना विशुद्धि चक्र



के ध्यान के साथ की जाती है। सहज योग में यह चक्र साक्षी भाव और मधुर वाणी से संबंधित माना जाता है। छठे दिन माँ कात्यायनी की आराधना करते हुए आज्ञा चक्र पर ध्यान किया जाता है। इसका प्रमुख गुण क्षमाशीलता है। सातवें दिन माँ कालरात्रि की आराधना सहस्रार चक्र के ध्यान के साथ की जाती है। सहज योग में सहस्रार को शुद्ध चेतना और दिव्य अनुभूति का

महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। अष्टमी के दिन माँ महागौरी की आराधना सहस्रार के ऊपर स्थित दिव्य शक्ति के ध्यान के रूप में की जाती है। नवमी को माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है। सभी चक्रों के संतुलन के उपरांत साधक में विभिन्न गुणों का विकास होता है और वह संतुलित एवं सर्वगुणसंपन्न जीवन की ओर अग्रसर होता है। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने मानव को ईश्वरीय अनुभूति और आत्मसाक्षात्कार का मार्ग प्रदान करने के उद्देश्य से सहज योग की स्थापना की। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर सहज योग को समझने, ध्यान से जुड़ने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के लिए अपने निकटतम सहज योग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in प्राप्त की जा सकती है। सहज योग पूर्णतया निःशुल्क है।

बांगो जल विद्युत गृह में आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल सफल, सात मिनट में आग पर पाया काबू

कोरबा,। हसदेव बांगो जल विद्युत गृह, माचाडोली में बुधवार को आपदा प्रबंधन एवं इमरजेंसी रिस्पांस के तहत मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। मॉकड्रिल के दौरान ट्रांसफार्मर यार्ड में भीषण आग लगने की काल्पनिक आपातकालीन स्थिति निर्मित कर फायर एवं इमरजेंसी रिस्पांस टीम की तत्परता, समन्वय और अग्निशमन क्षमता का परीक्षण किया गया। अभ्यास के दौरान इमरजेंसी सायरन बजते ही फायर एवं इमरजेंसी रिस्पांस टीम तत्काल सक्रिय हुई और निर्धारित प्रक्रिया के तहत घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण की कार्रवाई शुरू की। फायर स्टाफ ने करीब सात मिनट में आग पर प्रभावी रूप से नियंत्रण पाने का प्रदर्शन किया।

मॉकड्रिल के दौरान ट्रांसफार्मर यार्ड में आग को अन्य हिस्सों तक फैलने से रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं



व्यावहारिक प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वास्तविक आपातकालीन स्थिति में त्वरित निर्णय लेने, उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने तथा विभिन्न टीमों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर दुर्घटना को नियंत्रित करने का अभ्यास कराना था। मॉकड्रिल में राकेश चंद्र गुप्ता, राजेश बंजारा, सुनील कुमार टोप्पो,

रामसिंह उइके, पीयूष सोमानी, हीरेंद्र पाल, अमित कंवर, पानरिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

अंत में प्रबंधन ने मॉकड्रिल को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, फायर एवं सिक्योरिटी स्टाफ तथा ठेका श्रमिकों का आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ब्लैक स्पॉट और यातायात व्यवस्था की समीक्षा

पुनीत सेन

खंडवा। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति, NCORD, राहत राशि एवं टास्क फोर्स की बैठक 8 अक्टूबर को कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, NHAI के अधिकारी, यातायात पुलिस खंडवा की टीम सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन एवं किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। आमजन को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर चिन्हित

किए गए ब्लैक स्पॉट्स से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए गए। इन स्थानों पर आवश्यक सुधार को लेकर चर्चा की गई। इसके साथ ही आगामी नवरात्रि उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में NCORD, राहत राशि सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा कर संबंधित



अधिकारियों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कांग्रेस ने लोकतंत्र के काले दिवस के विरोध में वोट बचाओ देश बचाओ पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन किया

सलीम हुसैन

झाबुआ:दिल्ली में निर्वाचन आयोग से जवाब मांगने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे राहुल गांधी जी, श्रीमती प्रियंका गांधी जी एवं इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ किए गए लाठीचार्ज एवं दुर्व्यवहार के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी झाबुआ द्वारा लोकतंत्र के काले दिवस के विरोध में "वोट बचाओ, देश बचाओ" पैदल मार्च एवं विरोध प्रदर्शन आयोजित किया



क्षेत्रीय विधायक डॉ. विक्रान्त भूरिया एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता के नेतृत्व में स्थानीय राजवाड़ा चौक पर कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने

कांग्रेस नेताओं के साथ बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज कर लोकतंत्र पर हमले के विरोध में काला दिवस मनाया व नारे बाजी करते हुए चुनाव

आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया तत्पश्चात पैदल मार्च कर राजवाड़ा से नगर पालिका कार्यालय परिसर पहुंचे जहां तीन दिनों से अपने

वैतन की मांग को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारी मिले।

इस अवसर पर विधायक डॉक्टर विक्रान्त भूरिया ने कहा की भाजपा सरकार की कारगराना हरकत को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी पुलिस को आगे कर चुने हुए जनप्रतिनिधियों के साथ बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज करवाना यह भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर करता है कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रियंका गांधी ना कभी डरे हैं ना डरेंगे उनके साथ देश की जनता है कांग्रेस का प्रत्येक सिपाही उनके साथ है चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा एस आई आर रद्द व बुलेट पेपर से चुनाव की मांग के लिए विरोध प्रकट हमेशा करते रहेंगे। कांग्रेस महासचिव निर्मल मेहता ने कहा की देश के लोकतंत्र में सत्ता की जितनी अहम भूमिका होती है उससे कहीं अधिक विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होती है जब सत्ता में बैठे सत्ताधारी जनता के अहित में कार्य करते हैं तो देश की जनता विपक्ष पर भरोसा जताती है कि वह उनकी आवाज उठाएं भाजपा ने देश में वोट चोरी कर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है जो कभी बदरश्त नहीं किया जा सकता कांग्रेस पार्टी देश की जनता की आवाज को हमेशा विरोध प्रदर्शन कर उठाती रहेगी।

खकनार पुलिस ने नांदुरा डैम के बैकवाटर से बरामद किए मृतक के शव के अवशेष

महेन्द्र मालवीय
रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, खकनार पुलिस टीम ने एक अंधे कल्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए हत्या के बाद छिपाए गए मृतक मालसिंह के शव के अवशेष बरामद कर लिए हैं। पुलिस से प्राप्त सूचना के मुताबिक, अधिकारियों के निर्देशन में चलाए गए गहन सर्च ऑपरेशन, फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वॉड और ड्रोन कैमरों की मदद से 7 अक्टूबर 2026 को नांदुरा डैम के बैकवाटर से यह अवशेष खोज निकाले गए। मामले में 4 आरोपियों, 2 विधि विरुद्ध बालकों और साक्ष्य छिपाने में मदद करने वाले 1 अन्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार घटना का विवरण: पुलिस की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के अनुसार, घटना 6 सितंबर 2026 की है, जब मालसिंह अपनी मोटरसाइकिल (MP68MH5327) लेकर निकला और वापस नहीं लौटा। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर खकनार पुलिस ने शुरुआती दौर में



अपहरण (धारा 140(3) बीएनएस) का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस विवेचना के दौरान आरोपियों से पूछताछ में सामने आई जानकारी के अनुसार, आरोपी जगन, प्रताप, लालसिंह और

2 विधि विरुद्ध बालकों ने मिलकर मालसिंह की हत्या की योजना बनाई। योजना के तहत मालसिंह को शाम 6 बजे खेत के पास बने एक छोटे तालाब पर बुलाया गया, जहां आरोपियों ने डंडों, पत्थरों

और गला घोटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को उसकी ही मोटरसाइकिल और खेत में लगी ड्रिप पाइपों से बांधकर नांदुरा बड़े तालाब में फेंक दिया, ताकि शव तैरकर ऊपर न आ सके। पुलिस के अनुसार, शव को छिपाने में मदद करने वाले सह-आरोपी रडतिया को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस का सर्व ऑपरेशन

पुलिस प्रशासन ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अभिषेक जाधव व उनकी टीम द्वारा ग्राम आमगांव के जंगलों और संभावित स्थलों पर लगातार कॉम्बिंग की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा गुमराह करने के प्रयासों के बावजूद पुलिस की सक्रियता से 7 अक्टूबर को नांदुरा डैम के बैकवाटर से अवशेष बरामद किए गए। पुलिस विभाग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बरामद अवशेषों का नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा पहचान की पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण हेतु सैपल भेजे जाएंगे। मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्रशासनिक लेट-लतीफी: समय-सीमा पार होने के बाद भी BAC और जनशिक्षकों की फाइलें पेंडिंग, जल्द नियुक्ति का मिला आश्वासन

महेन्द्र मालवीय
रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने और प्रशासकीय निगरानी को मजबूत करने के लिए शुरू की गई विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (बीएसी) और जनशिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया तय समय-सीमा बीत जाने के बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। विभागीय सुस्ती और प्रशासनिक लचर रवैये के कारण यह प्रक्रिया लगातार पिछड़ती जा रही है, जिससे जिले के शैक्षणिक ढर्रे पर इसका सीधा असर पड़ता दिख रहा है। अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर यह भर्ती प्रक्रिया कब तक पूर्ण हो पाएगी?

तय समय-सीमा बीतने के बाद भी फाइलें धूल चाट रही

विभाग द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार इस पूरी चयन प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न किया जाना था, ताकि नए शैक्षणिक सत्र या समीक्षा बैठकों से पहले सभी रिक्त पदों पर तैनाती की जा सके। राज्य शिक्षा केंद्र के आदेशानुसार 05 अगस्त 2026 तक काउंसिलिंग और 20 अगस्त 2026 तक पदस्थापना आदेश जारी होने थे। हालांकि, समयावधि समाप्त होने के बावजूद अंतिम चयन सूची और पदस्थापना के आदेश जारी नहीं हो सके हैं। समय-सीमा निकल जाने से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों और शिक्षकों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।



तय हुई प्रक्रिया में इतनी देरी ?

सूत्रों की मानें तो इस पूरी भर्ती प्रक्रिया में देरी के कई प्रमुख कारण सामने आ रहे हैं: दावा-आपत्तियां और सत्यापन: आवेदनों की गहन जांच और प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण में विभागीय स्तर पर काफी समय व्यतीत हुआ।

प्रशासनिक स्वीकृतियों का पेंच: चयन सूची तैयार होने के बाद उच्च स्तर पर स्वीकृति और फाइलों के मूवमेंट में वक्त लगा।

शिक्षकों की मूल पदस्थापना: जनशिक्षकों और बीएसी के चयन के दौरान संबंधित स्कूलों में अध्यापन कार्य प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखना पड़ा।

प्रशासनिक अधिकारियों का रुख: अंतिम चरण में प्रक्रिया- प्रक्रिया में

हुए विलंब और वर्तमान स्थिति को लेकर जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) ने स्पष्ट किया कि, “बीएसी और जनशिक्षकों के पदों पर चयन एवं पदस्थापना को लेकर विभागीय स्तर पर कार्यवाही पूरी निष्पक्षता और नियमानुसार की जा रही है। प्रक्रिया अभी चल रही है और कुछ ही समय में इसे पूर्ण कर अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।” वहीं, इस विषय पर जानकारी के लिए जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने बताया कि, “बीएसी और जनशिक्षकों के चयन की प्रक्रिया में दावा-आपत्तियों के निराकरण में थोड़ा अतिरिक्त समय लगा है। अब अंतिम सूची का प्रकाशन किया जा चुका है और फाइल अंतिम स्वीकृति के लिए भेज दी गई है। स्वीकृति मिलते ही जल्द से जल्द पदस्थापना आदेश जारी कर दिए जाएंगे।”

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

9 अक्टूबर को हरदा आर्येंगे स्थानीय कार्यक्रमों में होंगे शामिल

वीरेंद्र चौहान- रणजीत टाइम्स

हरदा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को हरदा जिले के प्रवास पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोपहर 12:35 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा हरदा पहुँचेंगे तथा यहाँ आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे। प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान जिला चिकित्सालय का भ्रमण एवं निरीक्षण व वृद्धाश्रम का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिला पंचायत हरदा में आयोजित उद्यमी संवाद, यशस्वी संवाद, अग्रणी कृषि संवाद, आम जन संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक व समाधान ऑनलाइन



शिकायत निवारण कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम 4:10 बजे हरदा से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन को लेकर सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

झाबुआ में 10 दिवसीय विशेष सड़क सुरक्षा अभियान का व्यापक असर, जागरूकता के साथ यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई

सलीम हुसैन

10 दिवसीय विशेष अभियान में 33 व्यापक जागरूकता कार्यक्रम, जिलेभर में सड़क सुरक्षा का संदेश। 3021 से अधिक विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को किया जागरूक, सुरक्षित यातायात व्यवहार के लिए किया प्रेरित। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उल्लंघन पर कुल 667 चालान, यातायात नियमों के पालन के लिए सख्त कार्रवाई। 100 से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु अग्रेषित, गंभीर यातायात उल्लंघनों पर प्रभावी कार्रवाई पुलिस परिवहन एवं शोध संस्थान द्वारा संचालित विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत दिनांक 29 सितंबर 2026 से 08 अक्टूबर 2026 तक जिला झाबुआ में व्यापक जागरूकता एवं यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई की गई।

अभियान का उद्देश्य आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, यातायात नियमों के

पालन को सुनिश्चित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना रहा।

विद्यालय एवं महाविद्यालयों में पहुंचा सड़क सुरक्षा का संदेश

अभियान के दौरान जिले में कुल 33 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर 13 कार्यक्रम आयोजित कर कुल 3021 से अधिक विद्यार्थियों को यातायात नियमों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, सुरक्षित वाहन चालन तथा सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यापक जनजागरूकता

जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर 19 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से लगभग 1,046 आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन चालन



एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता के साथ नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई विशेष अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के

नियमों के उल्लंघन पर कुल 667 चालान बनाए गए। इसके अतिरिक्त, यातायात नियमों के गंभीर उल्लंघन के 100 से अधिक मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु अग्रेषित किए गए।

जिला पुलिस की आमजन से अपील- जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सड़क सुरक्षा को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। “सड़क सुरक्षा—सिर्फ नियम नहीं, जीवन की सुरक्षा का संकल्प”—सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर हम स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षित रख सकते हैं।



Bright Future

LEARNING ACADEMY

An Initiative by

RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN

2026-27

KG-1 to Class 10



QUALITY
EDUCATION



EXPERIENCED
FACULTY



VALUES &
DISCIPLINE



HOLISTIC
DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें

9827068888

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY

An Initiative by RANJEET TIMES GROUP



आधुनिक शिक्षा



अनुभवी शिक्षक



सुरक्षित परिसर



सर्वांगीण विकास

कई वर्षों से बंद पड़ी आंगनवाड़ी बनी परेशानी का कारण, झाड़ियों के बीच जंगली जीवों का खतरा

-पुनीत सेन

खारकलां। जनपद पंचायत खालवा अंतर्गत ग्राम खार कलां के वार्ड क्रमांक 06 में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र लंबे समय से बंद पड़ा होने के कारण अब स्थानीय रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। भवन के आसपास साफ-सफाई नहीं होने से बड़ी-बड़ी झाड़ियां और घास उग आई हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि लंबे समय से बंद पड़े भवन की ओर ग्राम पंचायत एवं संबंधित विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। परिसर में झाड़ियां बढ़ने के कारण यहां सांप सहित अन्य जंगली जीवों के छिपे होने की आशंका बनी रहती है। आसपास रहने वाले लोगों को भी जंगली जीवों के घरों और गलियों में आने का डर बना रहता है। वार्डवासियों का कहना है कि यदि आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन बंद है तो जिम्मेदार विभाग को इसकी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। लोगों की मांग है कि या तो आंगनवाड़ी केंद्र को पुनः शुरू किया जाए या फिर भवन एवं परिसर की उचित सफाई कराकर इसे सुरक्षित बनाया जाए। रहवासियों ने ग्राम पंचायत के सरपंच और संबंधित प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

मोबाइल और जंक फूड का 'कॉकटेल' बच्चों की सेहत पर भारी, डॉक्टर ने बताए खतरे

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

आज बच्चों की दिनचर्या में मोबाइल की स्क्रीन और पैकेट वाले खाद्य पदार्थ तेजी से जगह बना रहे हैं। समस्या तब बढ़ती है, जब बच्चा मोबाइल देखते हुए लगातार चिप्स, नमकीन, बिस्कुट, मीठे पेय या दूसरे पैकेट वाले खाद्य पदार्थ खाने लगे। विशेषज्ञों के मुताबिक यह आदत बच्चों की सेहत पर एक साथ कई तरह से असर डाल सकती है। स्क्रीन देखते समय बच्चे अक्सर यह महसूस नहीं कर पाते कि उन्होंने कितना खा लिया। ध्यान भोजन



के बजाय मोबाइल पर रहने से जरूरत से ज्यादा खाने की आदत बन सकती है। वहीं, कई पैकेट वाले खाद्य पदार्थों में अधिक नमक, चीनी और वसा होती है, जबकि पोषण संबंधी गुणवत्ता अपेक्षाकृत कम हो सकती है।

लंबे समय तक स्क्रीन पर बैठे रहने से शारीरिक गतिविधि कम हो सकती है। इसके साथ अधिक कैलोरी वाला भोजन वजन बढ़ने और आगे चलकर चयापचय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ा सकता है। देर रात मोबाइल इस्तेमाल करने से नींद प्रभावित होना भी बच्चों की दिनचर्या और व्यवहार पर असर डाल सकता है।

विशेषज्ञों की सलाह है कि बच्चों को भोजन बिना मोबाइल या टीवी के कराने की आदत डाली जाए। घर में फल, दूध, दही, मेवे, अंकुरित अनाज और घर का बना नाश्ता उपलब्ध रखें।

दिल्ली में 12 अक्टूबर को सजेगा रूसी रंगमंच, ब्रिक्स महोत्सव में पेश होगी 'ला बायादेरे'

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स रंगमंच महोत्सव 2026 में रूसी रंगमंच की खास प्रस्तुति 12 अक्टूबर को दिल्ली के कमानी



सभागार में होगी। रूस के प्रतिष्ठित जीआईटीआईएस थिएटर के कलाकार इमरे कालमान की संगीतमय प्रस्तुति 'ला बायादेरे' पेश करेंगे। महोत्सव 12

से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रस्तुति की खासियत यह है कि कहानी को पारंपरिक अंदाज में दिखाने के बजाय 1950 के दशक के हॉलीवुड की पृष्ठभूमि में रखा गया है। कहानी एक फिल्म स्टूडियो, उसकी महत्वाकांक्षाओं और एक संगीत फिल्म को तैयार करने की जद्दोजहद के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रस्तुति में शास्त्रीय संगीत के साथ जैज का मेल भी देखने को मिलेगा। 'ला बायादेरे' नाम मूल रूप से प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य-नाटिका से जुड़ा

है। इसके नए रंगमंचीय रूप में संगीत, अभिनय और हास्य के जरिए कहानी को आधुनिक दर्शकों के लिए प्रस्तुत किया गया है।

अब इसमें स्वादानुसार नमक और थोड़ा गुड़ डालकर मिक्सर में दरदरा पीस लें। ध्यान रखें कि मिश्रण बिल्कुल महीन न हो। आखिर में थोड़ा

डोसा, इडली ही नहीं टोस्ट और परांठे भी बनेंगे स्वादिष्ट, बनाकर रखें ये सूखी चटनी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

दक्षिण भारतीय भोजन में पोड़ी का स्वाद अपनी अलग पहचान रखता है। दाल, सूखी लाल मिर्च और मसालों से तैयार होने वाली यह सूखी चटनी लंबे समय तक रखी जा सकती है और जरूरत के समय तुरंत इस्तेमाल हो जाती है।

बनाने की विधि

एक कड़ाही में थोड़ी उड़द दाल और चना दाल डालकर धीमी आंच पर अलग-अलग भूनें। इसके बाद सूखी लाल मिर्च, थोड़ा जीरा, धनिया और तिल डालकर खुशबू आने तक भून लें। सभी सामग्री को ठंडा होने दें।

अब इसमें स्वादानुसार नमक और थोड़ा गुड़ डालकर मिक्सर में दरदरा पीस लें। ध्यान रखें कि मिश्रण बिल्कुल महीन न हो। आखिर में थोड़ा



3 महीने खराब नहीं होगी ये चटनी

सूखा नारियल डालकर एक बार फिर हल्का पीस सकते हैं। तैयार पोड़ी को पूरी तरह ठंडा करके हवा बंद डिब्बे में रखें। इसे इडली और डोसे के साथ सीधे परोसा जा सकता है। चाहें तो इसमें थोड़ा घी या तिल का तेल मिलाकर भी खा सकते हैं। इस सूखी चटनी की खासियत यह है कि इसका इस्तेमाल केवल दक्षिण भारतीय व्यंजनों तक सीमित नहीं है। टोस्ट, सैंडविच, परांठे, चावल और यहां तक कि बर्गर में भी इसे मसाले की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

बादाम-अखरोट समेत मिश्रित मेवे खाने के फायदे, कितना खाना चाहिए?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

बादाम, अखरोट, पिस्ता और काजू जैसे मेवे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें स्वस्थ वसा, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित मात्रा में मिश्रित मेवों का सेवन हृदय स्वास्थ्य और संपूर्ण पोषण के लिए फायदेमंद हो सकता है।

अखरोट में ओमेगा-3 वसा अम्ल पाए जाते हैं, जबकि बादाम में विटामिन-ई और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा होती है। मेवों में मौजूद फाइबर लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकता है और भोजन के बीच अनावश्यक खाने की इच्छा कम कर सकता है। संतुलित आहार के हिस्से के रूप में इनका सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है।



गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, सामान्य स्वस्थ व्यक्ति के लिए रोजाना लगभग 25-30 ग्राम मिश्रित मेवे, यानी एक छोटी मुट्ठी, पर्याप्त मानी जा सकती है। इन्हें बिना नमक और बिना अतिरिक्त चीनी वाले रूप में लेना बेहतर है। बहुत ज्यादा मात्रा में खाने से कैलोरी

का सेवन बढ़ सकता है और कुछ लोगों को गैस, पेट फूलने या पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है। जिन लोगों को मेवों से एलर्जी, गंभीर पाचन समस्या या कोई विशेष चिकित्सकीय स्थिति है, उन्हें नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

पीरियड्स से पहले शरीर क्यों देने लगता है संकेत? जानिए कौन से बदलाव सामान्य हैं

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मासिक धर्म शुरू होने से कुछ दिन पहले शरीर में कई तरह के बदलाव महसूस होना आम बात है। इसका मुख्य कारण हार्मोन में होने वाला उतार-चढ़ाव है। इसे प्रीमेन्स्ट्रुअल सिंड्रोम कहा जाता है। हर महिला में इसके लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। पीरियड्स से पहले पेट के निचले हिस्से में दर्द या भारीपन, स्तनों में संवेदनशीलता, पेट फूलना, सिरदर्द, थकान, भूख में बदलाव और नींद में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कुछ महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी, बेचैनी या मूड में अचानक बदलाव भी देखने को मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये लक्षण हल्के हैं और मासिक धर्म शुरू होने के बाद कम हो जाते हैं, तो आमतौर पर चिंता की बात नहीं होती। पर्याप्त

नींद, नियमित हल्का व्यायाम, संतुलित भोजन और नमक-कैफीन का सीमित सेवन कुछ महिलाओं को राहत दे सकता है। लेकिन यदि दर्द बहुत ज्यादा हो, रोजमर्रा के काम प्रभावित हों, अत्यधिक रक्तस्राव हो, बेहोशी आए या लक्षण हर महीने गंभीर होते जाएं, तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में स्त्री रोग विशेषज्ञ से जांच कराना जरूरी



है। हर बदलाव बीमारी का संकेत नहीं होता, लेकिन शरीर के लगातार और असामान्य संकेतों को नजरअंदाज करना भी सही नहीं है।

संदिग्ध को थाने बुलाने से पहले बताना होगा वकील का अधिकार, इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए थाने बुलाकर केवल इस आधार पर कानूनी सुरक्षा से वंचित नहीं कर सकती कि उसकी औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

न्यायालय ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 38 के तहत संदिग्ध को उसके पसंद के वकील की मौजूदगी के अधिकार की जानकारी पूछताछ शुरू करने से पहले ही देना

पुलिस की जिम्मेदारी है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की पीठ ने कहा कि संदिग्ध को कई घंटे थाने में रखकर पूछताछ करना और बाद में उसके कथित आत्म-दोषी बयान के आधार पर आरोपी बनाना संवैधानिक अधिकारों के विपरीत हो सकता है। हालांकि, वकील का पूरी पूछताछ के दौरान लगातार



मौजूद रहना अनिवार्य नहीं है। मामला प्रयागराज के सोरांव थाने से जुड़ा है। रवि चौरसिया को 14 सितंबर को अयोध्या से पुलिस अपने साथ लाई थी, लेकिन तत्काल गिरफ्तारी दर्ज नहीं की गई। 16 सितंबर को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार दिखाया गया। हाईकोर्ट ने थाना परिसर की सीसीटीवी फुटेज और

पुलिस के जवाबों की जांच की तथा पाया कि वह पहले से पुलिस के नियंत्रण में था। अदालत ने कहा कि बाद की गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत पहले की कथित अवैध हिरासत को वैध नहीं बना सकती। न्यायालय ने रवि चौरसिया की रिहाई का आदेश देते हुए 30 हजार मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। अदालत का संदेश स्पष्ट है-गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई से पहले भी व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार समाप्त नहीं होते।

फार्म कंपनियों की गलत विपणन प्रथाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र को समिति बनाने का आदेश



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

नई दिल्ली। दवा कंपनियों की कथित अनैतिक विपणन गतिविधियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को समिति गठित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसी गतिविधियां महंगी दवाओं के अनावश्यक पर्चे लिखे जाने को बढ़ावा दे सकती हैं और इसका सीधा असर आम मरीजों के स्वास्थ्य तथा जीवन के अधिकार पर पड़ सकता है। अदालत ने केंद्र से ऐसी वैधानिक व्यवस्था की जरूरत की जांच करने को कहा है, जिससे दवा कंपनियों की विपणन गतिविधियों को

प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके। मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दवाओं की कीमतों और मरीजों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने हाल में गंभीर चिंता जताई थी। भारत में दवा कंपनियों के विपणन व्यवहार के लिए औषधि विपणन संबंधी समान संहिता 2024 पहले से लागू है, जिसमें चिकित्सकों को अनुचित लाभ देने, भ्रामक प्रचार और प्रचार सामग्री से जुड़े नियम निर्धारित हैं। अब शीर्ष अदालत की पहल से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने पर बहस तेज हो सकती है।

151 मामलों का हिसाब नहीं दो कलेक्टरों के आंकड़ों पर हाईकोर्ट सख्त

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

श्योपुर में आदिवासियों और अनुसूचित जाति के लोगों की जमीनों से जुड़े मामलों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्वालियर हाईकोर्ट में पेश हुई दो रिपोर्टों में लंबित प्रकरणों की संख्या अलग-अलग सामने आने के बाद अदालत ने प्रशासन से जवाब तलब किया है।

मामले में तत्कालीन

कलेक्टर संजय कुमार ने 7 फरवरी 2024 को राज्य सरकार को भेजे पत्र में जमीन से जुड़े 600 लंबित प्रकरणों का उल्लेख किया था।

इसके बाद वर्तमान कलेक्टर शीला दाहिमा की ओर से अदालत में प्रस्तुत रिपोर्ट में 449 प्रकरण बताए गए। दोनों आंकड़ों में 151 मामलों का अंतर है। हाईकोर्ट ने इसी अंतर पर नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया कि आखिर ये 151 प्रकरण कहां चले गए और उनका वर्तमान रिकॉर्ड क्या है।

मामला आदिवासी जमीनों के

कथित अवैध हस्तांतरण, कब्जे और राजस्व अभिलेखों में बदलाव



»» श्योपुर में अनुसूचित जनजाति की जमीनों के संरक्षण से जुड़े प्रावधानों के बावजूद ऐसे मामलों में कार्रवाई की गति और राजस्व रिकॉर्ड को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल

»» 600 से 449 के बीच गायब हुए 151 प्रकरणों का पूरा ब्योरा क्या है? क्या वे निपटाए गए, स्थानांतरित हुए, दूसरे अभिलेखों में दर्ज हैं या फिर रिकॉर्ड से ही गायब हो गए? हाईकोर्ट की निगाह अब इसी जवाब पर है।

के आरोपों से जुड़ा है। हाईकोर्ट की चिंता केवल मामलों की संख्या को लेकर नहीं, बल्कि उन अभिलेखों की

विश्वसनीयता को लेकर भी है जिनके आधार पर जमीनों का अधिकार तय होता है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश: राजपाल यादव को 13 अक्टूबर तक जमा करने होंगे 2 करोड़ रुपये

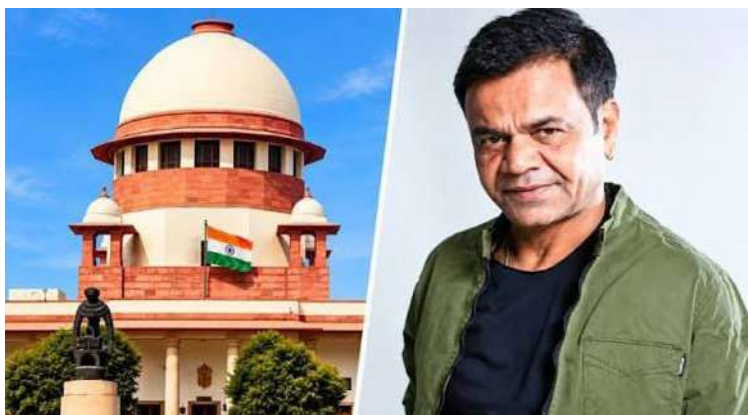
रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है।

सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें शिकायतकर्ता को देय रकम के तौर पर 13 अक्टूबर तक 2 करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि राशि जमा किए जाने के बाद ही वह दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ



यादव की याचिका पर आगे विचार करेगा, जिसमें उन्हें तीन महीने की सजा

सुनाई गई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान राजपाल यादव स्वयं अदालत में मौजूद थे। उन्होंने 1.15 करोड़ रुपये का मांग ड्राफ्ट पेश किया। बाकी 85 लाख रुपये संपत्ति की बिक्री से मिलने की बात उनके वकील ने अदालत को बताई। प्रस्तावित खरीदार भी अदालत में मौजूद था।

यह विवाद वर्ष 2010 के उस वित्तीय लेनदेन से जुड़ा है, जिसमें फिल्म 'अता पता लापता' के निर्माण के लिए करीब 5 करोड़ रुपये की राशि ली गई थी। इसके भुगतान के लिए जारी

किए गए 1.05 करोड़ रुपये के सात चेक कथित तौर पर बाउंस हो गए थे। मामले में निचली अदालत और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट से यादव को सजा मिली।

सुनवाई के दौरान

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यादव के पिछले रवैये पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि बार-बार मोहलत देने का उद्देश्य शिकायतकर्ता को उसकी रकम दिलाना था।